



दामाका
डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold	1,51,905	Silver	2,95,000	Crude Oil	5.963	Natural Gas	302.20	Aluminium	232.30	Copper	827.35
------------	------	----------	--------	----------	-----------	-------	-------------	--------	-----------	--------	--------	--------

25 सितंबर से एमपी में 350 सुगम बसें चलेंगी

गडकरी भोपाल से करेंगे शुरुआत, हर विधानसभा में बवेंगे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स उसी में हेलिपैड

भोपाल । प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम बस परिवहन योजना की शुरुआत 25 सितंबर को भोपाल से होगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 350 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। निजी बस ऑपरेटरों के साथ अनुबंध कर इन बसों का संचालन किया जाएगा। सरकार ने मार्च 2027 तक प्रदेश में 1 हजार बसें शुरू करने का लक्ष्य रखा है। इलेक्ट्रिक बसों को प्राथमिकता दी जाएगी।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि परिवहन विभाग ने बैठक में योजना का प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि करीब 20 साल से यात्री परिवहन की मॉनिटरिंग का काम नहीं हो रहा था। अब यात्री सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित परिवहन व्यवस्था शुरू की जा रही है।

2031 तक 14,981 बसों का लक्ष्य - सरकार ने वर्ष 2030-31 तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 14,981 बसें चलाने का लक्ष्य रखा है। बसों में CCTV और GPS लगाए जाएंगे। इससे बसों की लोकेशन की निगरानी हो



सकेगी। नए बस टर्मिनल PPP मॉडल पर बनाए जाएंगे। यात्रियों को सही टिकट और उचित किराया मिले, इस पर भी फोकस रहेगा।

हर विधानसभा में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, 960 करोड़ का प्रावधान - प्रदेश की हर विधानसभा में मुख्यमंत्री स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना को भी मंजूरी दी गई है। जहां 10 एकड़ से ज्यादा जमीन उपलब्ध होगी, वहां करीब 7 करोड़ रुपए की लागत से स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। इसमें इनडोर और आउटडोर खेलों की सुविधा के साथ खिलाड़ियों की ट्रेनिंग के लिए कोच भी रहेंगे।

काश्यप के मुताबिक, प्रदेश की 140 विधानसभा सीटों में अभी खेल सुविधाएं नहीं हैं, जबकि करीब 90 जगहों पर सीमित सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रस्तावित स्टेडियम में हेलिपैड की व्यवस्था भी की जा सकेगी। इसका इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर एयर एंबुलेंस के जरिए गंभीर मरीजों को एयरलिफ्ट करने में किया जा सकेगा। इसके लिए कैबिनेट ने 960 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

2037 तक 2,800 मेगावाट अतिरिक्त बिजली की तैयारी - पावर मैनेजमेंट कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार औद्योगिक विकास और शहरों के विस्तार के चलते

वर्ष 2037 तक प्रदेश में 1,900 मेगावाट बिजली की कमी का आकलन किया गया है। इसे देखते हुए 1,900 और 900 मेगावाट क्षमता के थर्मल पावर स्टेशन शुरू करने की प्रक्रिया को मंजूरी दी गई है। कुल 2,800 मेगावाट क्षमता के लिए कार्रवाई होगी। थर्मल पावर स्टेशन तैयार होने में करीब 5 से 7 साल लगते हैं।

कैबिनेट के अन्य फैसले - इंदौर डेंटल कॉलेज में सीटें 63 से बढ़ाकर 100 करने को मंजूरी।

9,061 करोड़ रुपए की योजनाओं को वर्ष 2031 तक जारी रखने की मंजूरी। राजगढ़ की पार्वती नदी पर सुठालिया सिंचाई परियोजना और नीमच-जावद दाबयुक्त सिंचाई योजना इसमें शामिल।

ग्राम न्यायालय योजना और विधिक सहायता सलाहकार बोर्ड को मंजूरी।

सिंगरौली और रतलाम की हवाई पट्टियों को एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने केंद्र को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

मऊगंज, मैहर और पांडुर्णा में PHE विभाग के कार्यालय खोलने को मंजूरी।

एमपी में भोपाल समेत कई जिलों में बारिश : 24-25 सितंबर को सिस्टम स्ट्रॉंग रहेगा



नीमच । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को एक दिवसीय दौर पर नीमच पहुंचे। वे तय समय से करीब दो घंटे की देरी से दोपहर लगभग 2 बजे नीमच आए, जहां सीआरपी परिसर में बने हेलीपैड पर स्थानीय नेताओं और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

हेलीपैड से मुख्यमंत्री रोड शो करते हुए कामा बाई रोड स्थित अग्रोहा भवन पहुंचे। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कई योजनाओं के तहत लोगों को मदद पहुंचाई और स्कूली छात्रों को स्कूटी सहित अन्य सामान बांटे।

गांधी सागर में चीता प्रोजेक्ट से पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा - नीमच में मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण को बचाते हुए रोजगार के नए साधन तैयार कर रही है। उन्होंने बताया कि नीमच में धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं। सीएम ने कहा कि बोत्सवाना से लाई गई मादा चीता को गांधी सागर अभयारण्य में छोड़ना इस पूरे इलाके के लिए बड़ी सौगात है, जिससे यहां पर्यटन के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। इससे पहले उन्होंने उज्जैन में बन रहे आईटी पार्क और विकास कार्यों का जायजा भी लिया था।

भोपाल । मध्य प्रदेश के करीब कई जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश रिकॉर्ड की गई। इनमें भोपाल, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, सीहोर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, आलीराजपुर, शाजापुर, देवास, खंडवा, रीवा, सिंगरौली, सीधी, सतना, शहडोल, अनुपपुर, उमरिया, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडीरी, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी, नर्मदापुरम और बैतुल शामिल हैं। सागर के देवरी में सबसे ज्यादा 2.4 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के 100 से ज्यादा शहरों और कस्बों में बारिश हुई।

2 दिन में 17 जिलों में अति भारी या भारी बारिश - प्रदेश में 23 सितंबर से भारी बारिश का दौर शुरू होगा। IMD (मौसम केंद्र) के मुताबिक, 24 और 25 सितंबर को सिस्टम की स्ट्रॉंग एक्टिविटी देखने को मिलेगी। 2 दिन में 17 जिलों में अति भारी या भारी बारिश हो सकती है। भोपाल-नर्मदापुरम संभाग में भी असर दिखेगा। प्रदेश में अब तक औसत 33.7 इंच पानी गिर चुका है। आगामी दिनों में तेज बारिश होने से इस आंकड़े सुधार की उम्मीद है। बता दें कि दक्षिण-पश्चिम मानसून सितंबर के आखिरी सप्ताह से विदा होना शुरू हो जाएगा, लेकिन

इससे पहले तेज बरसात का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, लो प्रेशर भरिया (निम्न दाब क्षेत्र) की वजह से प्रदेश में भारी बारिश के आसार दिखाई दे रहे हैं। 23 सितंबर से कुछ जिलों में पानी गिरेगा। पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के जिलों में असर ज्यादा रहेगा। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में भी अलट है। इससे पहले रविवार रात को भोपाल के कई इलाकों में तेज पानी गिरा। नर्मदापुरम में हवा चलने के बाद करीब तीन घंटे बारिश हुई। फेफरताल में 33 केवी लाइन पर पेड़ गिर गया।

महिला समूह संचालकों ने कलेक्ट्रेट में बेलन-चकला बजाकर विरोध किया : मानदेय बढ़ाने और लंबित भुगतान की मांग पर SDM को झापन सौंपा, हड़ताल जारी

नीमच । महिला स्व-सहायता समूह संचालकों और महिला रसोइयों की 'चौका-चूल्हा बंद' हड़ताल मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। यह हड़ताल 21 सितंबर से मानदेय बढ़ाने और लंबित भुगतान सहित कई मांगों को लेकर शुरू हुई है। प्रदर्शन के दौरान संगठन की पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में बेलन-चकला बजाकर विरोध जताया। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम SDM पराग जैन को जापन दिया।

महिला समूह संचालकों ने बताया कि वे आंगनवाड़ी, पूरक पोषण आहार और सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना का नियमित संचालन करती हैं। इसके बावजूद उन्हें बहुत कम मानदेय मिलता है। इसमें भी महीनों की देरी होने से परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। संगठन ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों का हल नहीं निकलता, तब तक हड़ताल खत्म नहीं होगी।

12 महीने के मानदेय की मांग - संगठन की मुख्य मांगों में मानदेय 10 महीने के बजाय पूरे 12 महीने देना शामिल है। इसके अलावा, रुका हुआ मानदेय और पोषण आहार का बजट तुरंत जारी करने की मांग की गई है। वे पोषण आहार की लागत और खाद्यान्न आवंटन की मात्रा बढ़ाने को भी कह रहे हैं। रसोइयों को इस के लिए सालाना पैसे मिलें और बच्चों की जूटी थालियां साफ करने के लिए अतिरिक्त मानदेय या साहायिका उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, कागजी कार्रवाई और



तकनीकी प्रक्रियाओं को आसान बनाने की मांग भी है। **सिस्टम में बदलाव से लग रहा समय** - जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने बताया कि जुलाई महीने का बजट 17 सितंबर को जिला पंचायत को मिला था। भुगतान प्रणाली में बदलाव हुआ है, अब राशि SNA SPARSH सिस्टम से सीधे खातों में भेजी जा रही है। किसी एक खाते में गलती होने पर पूरा बिल रद्द हो जाता है, जिससे जांच में 5-6 दिन लग गए। सोमवार शाम को फाइल पास कर दी गई थी और मंगलवार को बिल आगे भेज दिए गए हैं। ट्रेजरी से मंजूरी मिलते ही जुलाई का मानदेय खातों में आ जाएगा। अगस्त का बजट अभी नहीं मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि कम भोजन मिलने की कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है और समूहों को रजिस्टर में नियमित रिकॉर्ड रखना चाहिए।

रहवासी क्षेत्र में मांस की दुकान का विरोध, सर्व हिंदू समाज ने सीएमओ को सौंपा झापन



नीमच। सीआरपीएफ रोड स्थित बंगला नंबर 41-42 के रहवासी क्षेत्र में संचालित मांस-अंडे की दुकान को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को सर्व हिंदू समाज और क्षेत्रीय रहवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। रहवासी नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और दुकान के संचालन को लेकर नाराजगी जताते हुए नगर पालिका सीएमओ दुर्गा बामनिया को जापन सौंपा।

जापन में रहवासियों ने बताया कि सीआरपीएफ रोड, बंगला नंबर 41-42 सहित आसपास के क्षेत्र में रहवासी एवं सार्वजनिक

स्थलों के बीच मांस-अंडे की बिक्री की जा रही है। रहवासियों का आरोप है कि दुकान के बाहर ग्राहकों और वाहनों की भीड़ रहने से यातायात प्रभावित होता है तथा कई बार जमा प्रजा की स्थिति बनती है। दुकान के आसपास गंदगी और आवारा पशुओं के जमावड़े से भी परेशानी होने की बात कही गई है। रहवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि दुकान पर आने वाले कुछ लोगों द्वारा महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार और अशोभनीय टिप्पणियां किए जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित होने की

आशंका जताते हुए रहवासियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। जापन में कहा गया कि बंगला नंबर 41-42 और सीआरपीएफ रोड क्षेत्र में बड़ी संख्या में हिंदू परिवार निवास करते हैं। रहवासियों ने मांग की कि दुकान के लाइसेंस, अनुमति और संचालन की वैधानिकता की जांच कर नियम विरुद्ध पाए जाने पर तत्काल दुकान बंद कराई जाए और उसे रहवासी क्षेत्र से हटाया जाए।सर्व हिंदू समाज ने चेतावनी दी कि मांग पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो स्थानीय रहवासियों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

जमीन विवाद में गर्भवती महिला और परिवार पर हमला, पति के सिर में लगे 7 टांके, एसपी कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई और सुरक्षा की लगाई गुहार

नीमच। जिले के बड्डिया गांव में जमीन विवाद को लेकर एक परिवार पर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि 19 सितंबर की सुबह कुछ लोग लाठी, पत्थर और जलती लकड़ी लेकर घर में घुसे और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। हमले में गर्भवती विद्याबाई और उनके पति संजय मालवीय सहित परिवार के अन्य सदस्य घायल हुए। संजय के सिर में गंभीर चोट लगने पर 7 टांके लगाए गए। मामले में कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए पीड़ित परिवार सोमवार शाम एसपी कार्यालय पहुंचा और जापन देकर आरोपियों की गिरफ्तारी व परिवार की सुरक्षा की मांग की।

पीड़ित विद्याबाई के अनुसार, घटना के समय वह घर पर परिवार के लिए चाय-नाश्ता बना रही थीं। इसी दौरान लालीबाई, रूमाबाई, मायाबाई, प्रीतीबाई, विनोद, निखिल सहित कुछ अन्य लोग घर में घुस आए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और पेट में लात मारी। विद्याबाई के गर्भवती होने के कारण परिवार ने उनकी चोट को लेकर चिंता जताई है।

बीच-बचाव करने आए पति के सिर पर पत्थर से हमला - पीड़िता के अनुसार, जब उनके पति संजय बीच-बचाव करने



पहुंचे तो विनोद ने पत्थर से उनके सिर पर हमला कर दिया। हमले में सिर में गंभीर चोट आई और उपचार के दौरान 7 टांके लगाए पड़े। परिवार का आरोप है कि उनकी सास शांतिबाई को भी जलती लकड़ी से मारने और जलाने का प्रयास किया गया, जबकि जेट मनोज के साथ भी लाठी से मारपीट की गई। विवाद के दौरान परिवार के सदस्यों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई।

पुलिस जांच के बाद दोबारा घर में घुसने का आरोप - पीड़ित परिवार ने जापन में आरोप लगाया कि 21 सितंबर को पुलिस जांच अधिकारी द्वारा मौके का निरीक्षण किए जाने के बाद आरोपी दोबारा उनके घर में

प्रेमिका को माफी का वीडियो भेजा, फिर फंदे पर झूला चेतन, परिजनों ने युवती पर परेशान करने का आरोप लगाया, पुलिस जांच में जुटी

नीमच । जिले के जावद थाना क्षेत्र के अठाना में 28 वर्षीय युवक चेतन पिता जमनालाल सुथार ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले चेतन ने चलती बाइक पर एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने प्रेमिका से बार-बार माफी मांगने के बावजूद माफ नहीं करने की बात कही और कहा कि अब वह आत्महत्या कर रहा है। इसके बाद वह घर पहुंचा और बंद कमरे में पंखे से फांसी लगा ली।

जानकारों के अनुसार चेतन फनीचर का काम करता था और माता-पिता के साथ रहता था। घटना के समय उसके पिता दुकान और मां खेत पर गई थीं। शाम करीब 6 बजे मां घर लौटीं तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोड़कर जावा तो चेतन फंदे पर लटकता हुआ था। सूचना पर देखा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

सोमवार सुबह पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, परिजनों ने आरोप लगाया कि चेतन को एक युवती द्वारा परेशान किया जा रहा था। परिवार ने वीडियो के आधार पर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर



जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आत्महत्या से पहले भाग गए वीडियो और अन्य तथ्यों के आधार पर जांच कर रही है।

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

23 सितम्बर 2026

वर्ष - 04, अंक - 21 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawans@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नीमच आगमन, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया आत्मीय स्वागत

नीमच। सेवा संकल्प अभियान के तहत अग्रोहा भवन में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को नीमच पहुंचे। सीआरपीएफ मेहता स्टेडियम स्थित हेलीपैड पर पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक अनिरुद्ध मारू, सीआरपीएफ आईजी नीतू भट्टाचार्य, कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, डीआईजी सुरेंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास, जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके बाद वे गांधी सागर अभयारण्य में चीता प्रोजेक्ट के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

एमपी के 22 हजार कर्मचारियों के प्रमोशन की राह आसान, 45 वर्ष की आयु के बाद अनिवार्य नहीं होगी CPCT

भोपाल। चतुर्थ से तृतीय श्रेणी में पदोन्नति के आड़े आ रही कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (सीपीसीटी) उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता से कर्मचारियों को छूट देने की तैयारी है। ऐसे कर्मचारी, जिनकी आयु 45 वर्ष से अधिक हो चुकी है, उन्हें छूट दी जाएगी।

इससे कम आयु के कर्मचारियों को सीपीसीटी करने के लिए पांच वर्ष का समय दिया जाएगा। किसी भी पदोन्नत कर्मचारी को पदावनत भी नहीं किया जाएगा। प्रदेश के लगभग 22 हजार से अधिक कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। अनुपका नियुक्ति वाले कर्मचारियों की भी लंबे समय से रुकी हुई पदोन्नति अब हो सकेगी। प्रदेश में लगभग एक लाख अधिकारियों-कर्मचारियों को पदोन्नति नियम-2025 के प्रविधान के अनुसार राज्य सरकार पदोन्नत कर चुकी है। इसमें अब तक चतुर्थ श्रेणी के वे कर्मचारी पदोन्नत नहीं हो पाए हैं, जिन्होंने सीपीसीटी उत्तीर्ण नहीं की है। इसके आधार पर कृषि, उद्योग सहित अन्य विभागों ने पदोन्नति निरस्त कर दी।

दरअसल, सामान्य प्रशासन विभाग ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मांगे गए मार्गदर्शन के आधार पर स्पष्टीकरण जारी किया कि सीपीसीटी से छूट का कहीं कोई प्रविधान नहीं है। 2010 में पदोन्नत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को हिंदी मुद्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रविधान से छूट दी गई थी, इसलिए जिन अधिकारियों ने गलत व्याख्या करके पदोन्नति दी है, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। इसके बाद किसी विभाग ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं दी। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने इसका विरोध करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सीपीसीटी की अनिवार्यता से छूट देने की मांग की तो मुख्यमंत्री ने सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को रास्ता निकालने के निर्देश दिए। इस पर अब यह प्रविधान किया जा रहा है कि जिन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की आयु 45 वर्ष से अधिक है, उन्हें पदोन्नति के लिए सीपीसीटी से छूट दी जाए। वहीं, इसे उत्तीर्ण करने की अवधि दो से बढ़ाकर पांच वर्ष करने के साथ केवल इस आधार पर किसी कर्मचारी को पदावनत नहीं किया जाएगा कि उसने सीपीसीटी उत्तीर्ण नहीं की है।

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत



ललित गर्ग

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है—शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो।

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है...

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है।

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है—शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है—विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से।

गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है—ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनुठी सीख देते हैं। अच्छे नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह



है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है। उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियाँ हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो। गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा। गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं

को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है—ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे। गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है। गणेशजी की चार भुजाएँ कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन—यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन

नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे। गणेशजी का साहस हमें बताता है कि कठिनाई जितनी बड़ी हो, संकल्प उससे बड़ा होना चाहिए।

ऋद्धि और सिद्धि का गणेशजी से जुड़ाव भी विकास की व्यापक अवधारणा को स्पष्ट करता है। केवल धन-संपदा ऋद्धि नहीं और केवल उपलब्धि सिद्धि नहीं; दोनों का संतुलन आवश्यक है। भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ ज्ञान, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की सिद्धि भी होनी चाहिए। तभी समृद्धि स्थायी और सार्थक बनेगी। शुभ और लाभ का संदेश भी यही है कि उपलब्धि तभी शुभ है जब वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में हो। गणेशजी को प्रथम पूज्य और बुद्धि के देवता के रूप में स्मरण करने की भारतीय परंपरा आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। जब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि विकसित सोच वाले नागरिकों की है। प्रत्येक भारतीय अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, उत्कृष्टता, नवाचार, अनुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे, तो विकास का लक्ष्य जनआंदोलन बन सकता है।

गणेश चतुर्थी इसलिए हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने और उत्सव मनाने का अवसर न दे, बल्कि अपने भीतर गणेशत्व जगाने का संकल्प दे। बुद्धि में विशालता हो, दृष्टि में दूरदर्शिता हो, कानों में संवेदनशीलता हो, वाणी में मधुरता हो, कर्म में शक्ति हो, मन में धैर्य हो और व्यवहार में समावेशिता हो—यही गणेशजी की वास्तविक आराधना है। जब भारत का नागरिक अपने भीतर के विघ्नों—अज्ञान, आलस्य, अहंकार, स्वार्थ और संकीर्णता—पर विजय प्राप्त करेगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा।

भगवान गणेश का संदेश अंततः यही है कि मंगल बाहर से नहीं आता, उसे अपने विचार, व्यवहार और कर्म से निर्मित करना पड़ता है। यदि गणेशजी की बुद्धि, विवेक, धैर्य, साहस, श्रवणशीलता, आत्मसंयम और समावेशी दृष्टि को राष्ट्रीय जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो भारत केवल आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र नहीं, बल्कि समृद्ध, संस्कारित, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व को दिशा देने वाला आदर्श राष्ट्र बन सकता है। यही गणेश चतुर्थी की सबसे बड़ी राष्ट्रीय साधना और विकसित भारत 2047 के संकल्प की सार्थक परिणति होगी। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

व्यापार घाटे का ब्रिक्स

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आगाज हो चुका है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आगमन की भी पुष्टि हो चुकी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात हुई। कई समझौते परवान चढ़े। उनका विशेषण अलग से किया जाएगा। दरअसल हमने ईरान युद्ध के संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन का विशेषण किया था। आज भारत की अर्थव्यवस्था, ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार और भारत के निरंतर घाटे की चर्चा कर रहे हैं। ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब भी ब्रिक्स के सदस्य देश हैं। फिलहाल उनके बीच एक विनाशक, विध्वंसक युद्ध जारी है। ईरान ने उनके तेल टिकानों, रिफाइनरियों, संयंत्रों पर ऐसे हमले किए हैं कि उनके उत्पादन खत्म हो गए हैं या वे भस्म हो गए हैं, नतीजतन दुनिया संकट में है। हालांकि अमेरिका-इजरायल इस युद्ध के ह्वनरसंहारी चेहेरेह हैं। ईरान युद्ध के कारण अभी तक भारत को 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ह्राजकोपीय धक्काहल लग चुका है। यह अनुमान है, जबकि हकीकत इससे ज्यादा हो सकती है। इसी के कारण हमारा चालू खाता घाटा भी जीडीपी का 1.9 फीसदी से 2 फीसदी तक बढ़ चुका है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026-27 की आखिरी विकास दर 6.5 फीसदी के करीब हो सकती है, लिहाजा एक तिमाही की 7.8 फीसदी विकास दर पर अधिक फूलफुलाना नहीं चाहिए। भारत ब्रिक्स देशों-चीन, रूस, अमीरात, सऊदी, ब्राजील-के साथ लगातार कारोबार करता रहा है, लेकिन चिंता की बात यह है कि हम लगातार व्यापार-असंतुलन के शिकार हो रहे हैं और भारत आज तक ह्वनराश्रितह, असाधार, लाचार है। ह्वआरमनिभरताह तो बहुत दूर की कोड़ी है। चीन के साथ भारत का व्यापार-घाटा 9.92 लाख करोड़ रुपए का है, तो रूस की तुलना में भारत 4.48 लाख करोड़ रुपए के घाटे में है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ करीब 2.34 लाख करोड़ रुपए और सऊदी अरब के साथ भी करीब 1.81 लाख करोड़ रुपए का व्यापार-घाटा हम झेल रहे हैं। ब्राजील सरीखे अपेक्षाकृत छोटे देश के साथ भी भारत का व्यापार-घाटा करीब 9579 करोड़ रुपए का है।

चिंतन-मनन

जीवन एक क्रिकेट मैच

प्रांतिकारी संत तरुणसागरजी ने क्रिकेट की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन एक क्रिकेट है, धरती की विराट पिच पर समय बॉलिंग कर रहा है। शरीर बल्लेबाज है, परमात्मा के इस आयेजोन पर अम्मायर धर्मराज हैं। बीमारियाँ फील्डिंग कर रही हैं, विकेटकीपर यमराज हैं, प्राण हमारा विकेट है, जीवन एक क्रिकेट है। इस डे-नाइट मैच में हमें रचनात्मकता के जलवे दिखाने हैं और साँसों के सीमित ओवर में सृजन के रन बनाने हैं। गिल्लियाँ उड़ने का अर्थ साँस का टूट जाना है, एलबीडब्ल्यू याही हार्ट-अटैक। दुर्घटना में मरने वाला रन आउट कहलाता है और सीमा पर शहीद होने वाला कैच आउट कहा जाता है। आत्महत्या का अर्थ हिट विकेट और हत्या रस्म आउट हो जाना है।

कभी-कभी कुछ आप्रामक खिलाड़ी जल्दी ही पैवेलियन लौट जाते हैं, लेकिन पारी ऐसी खेलते हैं कि कीर्तिमान बना जाते हैं, सबका अपना-अपना रन रेट है, जीवन एक क्रिकेट है। घर आए अतिथि को भोजन के लिए पूछा करो, भोजन के लिए नहीं पूछ सकते तो पानी के लिए पूछा करो, पानी का नहीं पूछ सकते हैं तो बैठने के लिए आसन दिया करो। बैठने के लिए आसन भी नहीं दे सकते तो दो मोटे बोल बोला करो। दो मोटे बोल नही दिला सकते, मुस्कुराहट भी नहीं दे सकते तो चुल्चू भर पानी में डूब मरो। उक्त प्रेरक विचार उन्होंने प्रवचनमाला में व्यक्त किए। हाथों में मोबाइल हो न हो, चेहरे पर स्माइल हर हाल में होना चाहिए। आदमी स्मार्ट मोबाइल से नहीं, मुस्कुराहट से बनता है। हँसना पुण्य है और हँसना परमपुण्य है। जब आप हँसते हैं तो आप ईश्वर की आराधना करते हैं। जब आप किसी रोते हुए को हँसाते हो तो ईश्वर आपकी आराधना करता है। दुनिया के सामने रोने की आवश्यकता नहीं है। जब पाँच सेकंड मुस्कुराने से फोटो अच्छी आ सकती है तो जिंदगी भर मुस्कुराने से जिंदगी क्या नहीं अच्छी हो सकती। राजनीतिक लोग पार्टियाँ बदल लेते हैं, बैनर बदल लेते हैं, भाषण बदल जाता है, टोपी बदल जाती है, लेकिन टोपी के नीचे जो खोपड़ी है वही नहीं बदलती। मैं कहता हूँ टोपी को नहीं, खोपड़ी बदलो। आप अपने से बेखबर हैं, कानों के साथ आँखों का उपयोग किया करो। किसी ने कहा है वो दिल के बहुत अच्छे हैं, लेकिन कानों के कच्चे हैं। आदमी सुनी-सुनाई बातों पर यकीन कर लेता है और बरसों की दोस्ती दुश्मनी में बदल जाती है। एसटीडी कॉल करने से पहले शून्य लगाना जरूरी है। उसी तरह गुरु के पास भी जाने से पहले मन का शून्य होना जरूरी है। मन खाली होगा तभी तो कुछ भर पाओगे। शक का कीड़ा एक बार दिमाग में घुस जाए तो उसका कोई इलाज नहीं होता।

कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स, बोले-75 में बढ़ते खर्च के बीच सिलेंडर डिलीवरी मुश्किल



नीमच। कमीशन बढ़ाने और ई-केवाईसी प्रक्रिया में आ रही तकनीकी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एलपीजी डिस्ट्रीब्यूशन एसोसिएशन के सदस्य सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। डिस्ट्रीब्यूटर्स ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जापन सौंपते हुए कहा कि मौजूदा कमीशन बढ़ती महंगाई, ईंधन और मजदूरी के खर्च के मुकाबले पर्याप्त नहीं है।

एसोसिएशन के अनुसार वर्तमान में

प्रति सिलेंडर करीब 75 कमीशन मिलता है, जिसमें होम डिलीवरी का खर्च भी शामिल है। डिस्ट्रीब्यूटर्स ने इसे बढ़ाकर 100 प्रति सिलेंडर करने की मांग की है। उनका कहना है कि लगातार बढ़ रहे परिचालन खर्च के कारण वर्तमान कमीशन में वितरण व्यवस्था संचालित करना मुश्किल हो रहा है। जापन में तय कमीशन राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी रखी गई। इसके अलावा उपभोक्ताओं की

ई-केवाईसी प्रक्रिया के दौरान सामने आ रही तकनीकी और व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मांगों पर जल्द उचित निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले समय में एलपीजी वितरण व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। डिस्ट्रीब्यूटर्स ने प्रशासन से समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

एमपी में बंपर भर्ती का रास्ता साफ, विभागों को दूसरी एजेंसियों से नियुक्ति प्रक्रिया कराने की छूट, जल्द भरे जाएंगे 6000 पद

भोपाल। मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार भर्ती व्यवस्था में बदलाव कर रही है। राज्य की दो प्रमुख भर्ती एजेंसियों पर बढ़ते दबाव के बीच अब जरूरत के मुताबिक विभागों को स्वयं भर्ती प्रक्रिया कराने की छूट दी जा रही है। बड़ी संख्या में पद होने पर विभाग किसी दूसरी एजेंसी के जरिए भर्ती कर सकते हैं। इसका उद्देश्य लंबित भर्तियों को गति देना और नियुक्ति प्रक्रिया में लगने वाला समय कम करना है। वर्तमान व्यवस्था में राज्य सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल मुख्य भर्ती एजेंसियां हैं। कर्मचारी चयन मंडल की 2026

की परीक्षा सूची में कई भर्ती परीक्षाएं पहले से निर्धारित हैं, जिससे विभिन्न विभागों की नई भर्तियों के लिए समय निकालना चुनौती बना हुआ है। नई व्यवस्था के तहत स्वास्थ्य विभाग को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सीधी भर्ती विभागीय स्तर पर करने की अनुमति दी गई है। ऊर्जा विभाग करीब 6 हजार पदों पर विभागीय स्तर से भर्ती प्रक्रिया कर रहा है। वहीं नगरीय विकास एवं आवास विभाग करीब 375 इंजीनियरों की भर्ती के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी एजुकेशन कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) से संपर्क कर चुका है।

चीतों की बढ़ती संख्या ने बढ़ाया केज, 1 अक्टूबर से फिर खुलेगा कूनो, पिछले सीजन में पहुंचे थे 9000 से ज्यादा पर्यटक

रघोपुर। मानसून के कारण करीब तीन माह से पर्यटकों के लिए बंद मध्य प्रदेश के रघोपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क के गेट पर्यटकों के लिए एक अक्टूबर से खुल जाएगा। पार्क में चीतों की लगातार बढ़ती संख्या ने पर्यटकों का रुझान बढ़ाया है। पर्यटन सत्र 2025-26 में नौ हजार से अधिक पर्यटक कूनो की सैर कर चुके हैं। यह संख्या उससे पिछले पर्यटन सत्र 2024-25 में पहुंचे पर्यटकों की संख्या से दोगुना से अधिक है। देश के अन्य नेशनल पार्कों की तरह कूनो में भी पर्यटन सत्र एक अक्टूबर से 30 जून तक चलता है। एक जुलाई से 30 सितंबर तक मानसून में फिसलान भर रास्ते, ब्रीडिंग सीजन और जंगल रिजनेरेशन के चलते पार्क के कोर जोन बंद रहते हैं।

तेज रफ्तार कार ने मंदिर से निकल रही महिलाओं को रौंदा, बच्ची समेत 7 घायल

4 महिलाओं की हालत गंभीर, ग्रामीणों ने चालक को खंभे से बांधकर पीटा, कार में भी तोड़फोड़

मंडसौर 21 सितम्बर (निपत्र)। पिपलियामंडी थाना क्षेत्र के सुपरा गांव में रविवार रात इच्छापूर्ण हनुमान मंदिर के पास तेज रफ्तार कार ने मंदिर से प्रसादी लेकर बाहर निकल रही महिलाओं और एक बच्ची को टक्कर मार दी। हादसे में 6 महिलाएं और 13 वर्षीय बच्ची घायल हो गईं। इनमें 4 महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक महिला के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंदिर में गणेशजी की स्थापना के बाद आरती और प्रसादी का कार्यक्रम चल रहा था। कुछ लोग मंदिर परिसर में मौजूद थे और कुछ महिलाएं प्रसादी लेकर बाहर निकल रही थीं। इसी दौरान काले रंग की कार क्रमांक RJ 45 CS 0432 तेज रफ्तार से आई और लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

ग्रामीणों ने चालक को खंभे से बांधा – हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने कार चालक को पकड़ लिया। उसे कार से बाहर निकालकर पास के खंभे से बांध दिया और मारपीट की। ग्रामीणों ने कार में भी तोड़फोड़ कर दी। सूचना मिलते ही पिपलियामंडी थाना प्रभारी विक्रम सिंह इनवे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और चालक को ग्रामीणों से छुड़ाकर हिरासत में लिया।



7 घायलों को जिला अस्पताल भेजा – घायलों को डायल-112 की मदद से पिपलियामंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को मंडसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया। रात करीब 1 बजे घायलों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

चालक के शराब के नशे में होने का दावा – पुलिस के अनुसार कार में चालक अर्जुन सिंह (32), पिता कमल सिंह, निवासी सुजानपुरा अकेला था। स्थानीय लोगों ने चालक



कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर 'सखी' द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के बारे में बताया गया। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और पुलिस हेल्पलाइन 112 की जानकारी देते हुए महिलाओं को हिंसा, उत्पीड़न या किसी अन्य संकट की स्थिति में तत्काल सहायता लेने के लिए जागरूक किया गया।

महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला-बाल सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और बाल विवाह की रोकथाम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति

सजग रहने और किसी भी परेशानी की स्थिति में मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर सुपरवाइजर एकाता प्रेमी, वन स्टॉप सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर चंदा साल्वी, केसवर्कर पूजा मिश्रा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और बालिकाएं उपस्थित रहीं।

के शराब के नशे में होने की बात कही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- टक्कर इतनी तेज थी कि धूंकप जैसा लगा – प्रत्यक्षदर्शी दीपक के अनुसार मंदिर में आरती के बाद प्रसादी बांटी जा रही थी। कुछ महिलाएं बाहर निकल रही थीं, तभी तेज रफ्तार कार अचानक आई और लोगों को चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ क्षण के लिए मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो में मंदिर परिसर में कार्यक्रम के दौरान लोग नजर आ रहे हैं, तभी कार अचानक वहां पहुंचती है और बाहर मौजूद लोगों को टक्कर मार देती है।

दूसरे वीडियो में क्षतिग्रस्त कार और चालक को खंभे से बंधा हुआ देखा जा सकता है। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विनायक चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। यह पर्व हिन्दू धर्म के मानने वालों का मुख्य पर्व है। विनायक चतुर्थी को गणेशोत्सव के रूप में सारे विश्व में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारत में इसकी धूम यूं तो सभी प्रदेशों में होती है, परन्तु विशेष रूप से यह महाराष्ट्र में मनाया जाता है।



गणेशोत्सव

विनायक चतुर्थी के उत्सव को सम्पूर्ण महाराष्ट्र का मुख्य पर्व भी कहा जा सकता है। इस दिन लोग मोहल्लों और चौराहों पर प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी की मूर्ति की स्थापना करते हैं। आरती और भगवान श्री गणेश के जयकारों से सारा माहौल गुंज रहा होता है। इस उत्सव का अंत अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति समुद्र में विसर्जित करने के बाद होता है।

कथा

गणेश चतुर्थी व्रत को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलन में है। इस कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती नर्मदा नदी के निकट बैठे थे। वहां देवी पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से समय व्यतीत करने के लिये चौपड़ का खेल खेलने को कहा। भगवान शंकर चौपड़ खेलने के लिये तैयार तो

हो गये, परन्तु इस खेल में हार-जीत का फैसला कौन करेगा? इसका प्रश्न उठा, इसके जवाब में भगवान भोलेनाथ ने कुछ तिनके एकत्रित कर उसका पुतला बनाकर, उस पुतले की प्राण प्रतिष्ठा कर दी और पुतले से कहा कि- फूबेटा हम चौपड़ खेलना चाहते हैं, परन्तु हमारी हार-जीत का फैसला करने वाला कोई नहीं है। इसलिये तुम बताना की हम में से कौन हारा और कौन जीता।

चौपड़ का खेल

यह कहने के बाद चौपड़ का खेल प्रारम्भ हो गया। खेल तीन बार खेला गया, और संयोग से तीनों बार पार्वती जी जीत गई। खेल के समाप्त होने पर बालक से हार-जीत का फैसला करने के लिये कहा गया, तो बालक ने महादेव को विजयी बताया। यह सुनकर माता पार्वती क्रोधित हो गई और उन्होंने क्रोध में आकर बालक को लंगड़ा होने व कीचड़ में पड़े रहने का श्राप दे दिया। बालक ने माता से माफ़ी मांगी और कहा- मुझसे अज्ञानता वश ऐसा हुआ, मैंने किसी देश में ऐसा नहीं किया। बालक के क्षमा मांगने पर माता ने कहा- यहाँ गणेश पूजन के लिये नाग कन्याएं आयेगी, उनके कहे अनुसार तुम गणेश व्रत करो, ऐसा करने से तुम मुझे प्राप्त करोगे। यह कहकर माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर्वत पर चली गई।



गणेश का प्रसन्न होना

ठीक एक वर्ष बाद उस स्थान पर नाग कन्याएं आईं। नाग कन्याओं से श्री गणेश के व्रत की विधि मालुम करने पर उस बालक ने 21 दिन लगातार गणेश जी का व्रत किया। उसकी श्रद्धा देखकर भगवान गणेश प्रसन्न हो गए और उन्होंने बालक को मनोवांछित फल मांगने के लिये कहा। बालक ने कहा- हे विनायक! मुझमें इतनी शक्ति दीजिए, कि मैं अपने पैरों से चलकर अपने माता-पिता के साथ कैलाश पर्वत पर पहुंच सकूँ और वो यह देख प्रसन्न हों। बालक को यह वरदान देकर भगवान गणेश अन्तर्धान हो गए। बालक इसके बाद कैलाश पर्वत पर पहुंच गया और वहाँ पहुंचने की कथा उसने भगवान महादेव को सुनाई। उस दिन से पार्वती जी शिवजी से विमुख हो गईं। देवी के रुध होने पर भगवान शंकर ने भी बालक के बताये अनुसार गणेश का व्रत 21 दिनों तक किया। इसके प्रभाव से माता के मन से भगवान भोलेनाथ के लिये जो नाराजगी थी, वह समाप्त हो गई।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य कथों ?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्र लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता हैं तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्र लगा लिए और खड़े हो गए।

कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मांगलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करे या ना करे।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय सिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं। समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरु किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरु किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है। यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है। हमारे समाज में

प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरु किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्र लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्र कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं। वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

श्री गणेश पूजन की आसान विधि

श्रीगणेश पूजा अपने आपमें बहुत ही महत्वपूर्ण व कल्याणकारी है। चाहे वह किसी कार्य की सफलता के लिए हो या फिर चाहे किसी कामनापूर्ति स्त्री, पुत्र, पौत्र, धन, समृद्धि के लिए या फिर अचानक ही किसी संकट में पड़े हुए दुखों के निवारण हेतु हो।

- अर्थात् जब कभी किसी व्यक्ति को किसी अनिष्ट की आशंका हो या उसे नाना प्रकार के शारीरिक या आर्थिक कष्ट उठाने पड़ रहे हो तो उसे श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक किसी योग्य व विद्वान ब्राह्मण के सहयोग से श्रीगणपति प्रभु व शिव परिवार का व्रत, आराधना व पूजन करना चाहिए।

- पूजन से पहले नित्यादि क्रियाओं से निवृत्त होकर शुद्ध आसन में बैठकर सभी पूजन सामग्री को एकत्रित कर पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली लाल, चंदन, मोदक आदि एकत्रित कर क्रमशः पूजा करें।
- भगवान श्रीगणेश को तुलसी दल व तुलसी पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए। उन्हें, शुद्ध स्थान से चुनी हुई दुर्वा को धोकर ही चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश भगवान को मोदक (लड्डू) अधिक प्रिय होते हैं इसलिए उन्हें देशी घी से बने मोदक का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।

- श्रीगणेश स्त्रोत से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- श्रीगणेश सहित प्रभु शिव व गौरी, नन्दी, कार्तिकेय सहित सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा षोडशोपचार विधि से करना चाहिए।
- व्रत व पूजा के समय किसी प्रकार का क्रोध व गुस्सा न करें। यह हानिप्रद सिद्ध हो सकता है।
- श्रीगणेश का ध्यान करते हुए शुद्ध व सत्त्विक चित्त से प्रसन्न रहना चाहिए।
- शास्त्रानुसार श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा बनाकर उसे प्राणपति षष्ठित कर पूजन-अर्चन के बाद विसर्जित कर देने का आख्यान मिलता है। किन्तु भजन-कीर्तन आदि आयोजनों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण भक्त 1, 2, 3, 5, 7, 10 आदि दिनों तक पूजन अर्चन करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।
- किसी भी पूजा के उपरांत सभी आवाहित देवताओं की शास्त्रीय विधि से पूजा-अर्चना करने के बाद उनका विसर्जन किया जाता है, किन्तु श्री लक्ष्मी और श्रीगणेश का विसर्जन नहीं किया जाता है। इसलिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करें, किन्तु उन्हें अपने निवास स्थान में श्री लक्ष्मी जी सहित रहने के लिए निमंत्रित करें।
- पूजा के उपरांत अपराध क्षमा प्रार्थना करें, सभी अतिथि व भक्तों का यथा व्यवहार स्वागत करें।

- पूजा कराने वाले ब्राह्मण को संतुष्ट कर यथा विधि पारिश्रमिक (दान) आदि दें, उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर दीर्घायु, आरोग्यता, सुख, समृद्धि, धन-ऐश्वर्य आदि को बढ़ाने के योग्य बनें। भारतीय धर्म संस्कृति में किसी कार्य की सफलता हेतु पहले मंगलाचरण या फिर पूज्य देवों के वंदना की परंपरा रही है। किसी कार्य को सुचारु रूप से निर्विघ्नपूर्वक संपन्न करने हेतु सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना व अर्चना का विधान है। इसीलिए सनातन धर्म में सर्वप्रथम श्रीगणेश की पूजा से ही किसी कार्य की शुरुआत होती है। जो भी भक्त भगवान गणेश का व्रत या पूजा करता है उसे श्रीगणेश प्रभु की कृपा और मनोवांछित फल की प्राप्ति अवश्य ही होती है।



श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात्, जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं।

गणेश पुराण के क्रीडा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है, वेदस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है।

त्रेता युग में वाहन मोर है, छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है, भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है। इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक(चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है। विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश,दूर्वा गणेश,शमी गणेश,गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र,संकट नाशक स्तोत्र,गणपति

अथर्वशीर्ष,गणेश कवच,शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है। अलग-अलग होती है उपासना- भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रीत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महर्णाव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू)अर्पित किए जाते हैं।

खेल मैदान बचाने के आंदोलन के बीच धरना स्थल से 50 हजार का सामान चोरी, टेंट-बैनर समेत दरी और तख्त गायब, समिति ने कैंट थाने में दिया आवेदन



नीमच। शीसकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 के खेल मैदान को बचाने के लिए चल रहे आंदोलन के बीच भारत माता चौराहा स्थित धरना स्थल से सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। खेल मैदान बचाओ संघर्ष समिति ने कैंट थाने में आवेदन देकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की मांग की है।

समिति द्वारा क्रमांक-2 के खेल मैदान में प्रस्तावित सीएमएच स्कूल के निर्माण का विरोध किया जा रहा है। मैदान को बच्चों और आमजन के लिए सुरक्षित रखने की मांग को लेकर समिति का चरणबद्ध आंदोलन जारी है। इसी क्रम में भारत माता चौराहा स्थित धरना स्थल पर समिति द्वारा लगातार प्रदर्शन किया जा रहा था।

समिति के आवेदन के अनुसार 20 और 21 सितंबर की दरमियानी रात धरना स्थल से एक वाटरप्रूफ टेंट, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपए बताई गई है, के साथ 2 से 3 बैनर-फ्लेक्स,

दरी, तख्त और अन्य सामग्री गायब हो गई। सुबह धरना स्थल पर पहुंचे समिति सदस्यों को सामान नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने कैंट थाने पहुंचकर पुलिस को आवेदन दिया। समिति ने आशंका जताई है कि अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा धरना स्थल से सामान चोरी किया गया है। आवेदन में पुलिस से भारत माता चौराहा और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर संदिग्धों की पहचान करने, चोरी गया सामान बरामद करने और धरना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है। आंदोलन के बीच धरना स्थल से सामान चोरी होने की शिकायत अब पुलिस तक पहुंच चुकी है। पुलिस जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ही घटना को वास्तविक स्थिति और जिम्मेदार लोगों का पता चल सकेगा।

पुजारी पर भूत-प्रेत के नाम डर फैलान का आरोप : लोग बोले- मंदिर के व्यवस्थापक कलेक्टर, हटाकर नया पुजारी नियुक्त किया जाए



सेवा संकल्प अभियान में बच्चों ने भरी राष्ट्र निर्माण की उड़ान, चित्रकला-भाषण प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा



नीमच। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीआरपीएफ, नीमच में विद्यालय स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण की भावना को बढ़ावा देना रहा। भाषण प्रतियोगिता में

पूर्वांशी राजगो ने प्रथम, परी ने द्वितीय और वैष्णवी जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में दिशा प्रथम, कृति द्वितीय और आयशा तृतीय रहीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका नीमच के पूर्व अध्यक्ष राकेश पणू जैन, सांसद प्रतिनिधि आदित्य मालू एवं एसएमसी अध्यक्ष योगेश राजगो उपस्थित

रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य ज्ञानवर्धन श्रीवास्तव ने किया। संचालन वर्षा गोयल ने किया। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

पुलिस पर राजनीतिक द्वेषता से फंसाने का आरोप : SDOP बोले- 'हिस्ट्रीशीटर की रूटीन चेकिंग थी', गलत व्यवहार नहीं किया

मंदसौर। मंदसौर के भानपुरा थाना क्षेत्र भेसोदा के मालीपुरा निवासी बरकतउल्ला पठान ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस संबंध में मंदसौर एसपी, डीजीपी, आईजी और मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग को शिकायत भेजी है। बरकतउल्ला पठान का दावा है कि 19 सितंबर की रात करीब 12:10 बजे गरोट एसडीओपी और भानपुरा पुलिस की टीम बिना सर्च वारंट के उनके घर में घुस गई। पुलिस ने बरकतउल्ला को जबरन ले जाने की कोशिश की। परिवार के लोगों ने इसका विरोध किया और सवाल पूछे, जिसके बाद पुलिस टीम लौट गई। यह पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है।

खेत पर नौकरी को भी धमकाया - बरकतउल्ला ने आरोप लगाया है कि राजनीतिक द्वेषता और पुरानी रंजिश के चलते उन्हें पुलिस के साथ मिलकर किसी आपराधिक मामले में फंसाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने यह भी बताया

कि उसी दिन शाम करीब 4 बजे पुलिसकर्मी तीन गाड़ियों से उनके खेत पर पहुंचे थे। वहां उनके नौकर को डराया-धमकाया गया। बरकतउल्ला ने आशंका जताई है कि भविष्य में उनके या उनके नौकर के पास मादक पदार्थ या अवैध हथियार रखकर झुठा केस दर्ज किया जा सकता है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने, मामले की निष्पक्ष जांच और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

मामला बढ़ने पर SDOP ने दी सफाई - गरोट एसडीओपी विजय कुमार यादव ने बरकतउल्ला के सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि बरकत पठान भानपुरा थाने का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है और उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसडीओपी यादव ने कहा कि पुलिस टीम किसी भी संभावित अपराध को रोकने के लिए रूटीन चेकिंग के तहत उसके ठिकाने पर गई थी। पुलिस प्रशासन ने किसी भी तरह के दुर्व्यवहार या गलत कार्रवाई से इनकार किया है।

नीमच। जिले की जीरन तहसील के मालिया गांव के ग्रामीण मंगलवार को भारी संख्या में जिला कलेक्टर पहुंचे। ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम तहसीलदार मुंगेर सिसोदिया को ज्ञापन सौंपकर गांव के देवनारायण मंदिर (देवरा) के पुजारी पर ढोंग रचने, अंधविश्वास फैलाने और अवैध वसूली करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीण खुमान सिंह परिहार ने कलेक्टर में बताया कि देवनारायण मंदिर सरकारी नियंत्रण में है और कलेक्टर इसके व्यवस्थापक हैं। इसके बावजूद वर्तमान पुजारी मोहनलाल (पिता लाभचंद मेघवाल) पिछले दो-तीन सालों से हर शनिवार को देवरे पर चौकी लगाकर भूत-प्रेत और तंत्र-मंत्र के नाम पर लोगों में भ्रम फैला रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विरोध करने पर पुजारी गाली-गलौज करता है और जादू-टोने से नुकसान पहुंचाने व झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकियां देता है।

पुजारी को हटाने और आपराधिक केस दर्ज करने की मांग - ग्रामीणों ने ज्ञापन के जरिए प्रशासन से मांग की है कि अंधविश्वास फैलाने और डराने-धमकाने वाले पुजारी को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए और किसी योग्य व्यक्ति को मंदिर का दायित्व सौंपा जाए। इसके साथ ही पुजारी के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने और ग्रामीणों को सुरक्षा प्रदान करने की गृहार लगाई गई है। इस दौरान खुमान सिंह परिहार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने ज्ञापन के जरिए प्रशासन से मांग की है कि अंधविश्वास फैलाने और डराने-धमकाने वाले पुजारी को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए और किसी योग्य व्यक्ति को मंदिर का दायित्व सौंपा जाए। इसके साथ ही पुजारी के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने और ग्रामीणों को सुरक्षा प्रदान करने की गृहार लगाई गई है। इस दौरान खुमान सिंह परिहार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सुवासरा पुलिस की डोडाचूरा तस्करी पर कार्रवाई, बोलेरो से 20 किलो डोडाचूरा जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर। सुवासरा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने मामले में एक पुरुष और एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो वाहन भी जब्त किया है। जब्त डोडाचूरा की कीमत करीब 1.28 लाख रुपए बताई गई है, जबकि बोलेरो की अनुमानित कीमत 12 लाख रुपए है।

पुलिस के अनुसार, 19 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तक्तपुरा-अजयपुर मार्ग पर अवैध मादक पदार्थ का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोट रामसनेही मिश्रा और एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के नेतृत्व में थाना प्रभारी निरीक्षक बीडी बीरा ने टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस टीम ने तक्तपुरा से अजयपुर के बीच आम रोड पर संदिग्ध बोलेरो क्रमांक एमपी



14 जेडजे 2063 को रोककर तलाशी ली। वाहन में खे टॉली बैग से पिसा हुआ कुल 20 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से शिवसिंह पिता भंवरसिंह गुर्जर निवासी कान्हाहेड़ा और वैशाली उर्फ आरती चौहान पति मयंक चौहान निवासी सहारनपुर, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सुवासरा में अपराध क्रमांक 278/26, धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। पुलिस के अनुसार तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ और जांच जारी है। कार्रवाई में पुलिस ने 20 किलो डोडाचूरा, बोलेरो वाहन और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मोबाइल की कीमत करीब 40 हजार रुपए बताई गई है। कार्रवाई में निरीक्षक बीडी बीरा, उपनिरीक्षक गेंदाल पलासिया सहित पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही।



RBS

GROUP OF INSTITUTION

कॉलेज केम्पस : हकियाखाल चौराहा, मंदसौर रोड, नीमच (म.प्र.)

Ph. (07423) 268268-69-70, M.9425922520, 7869587202, 7694015501 7694015502

NURSING (नर्सिंग)	MGMT & COMMERCE	Computer & IT	SOCIAL WORK	PHARMACY
GNM (नर्सिंग)	BBA	BCA	MSW	D. PHARMA
B.Sc. (नर्सिंग)	MBA	B.Sc. (cs)		
M.Sc. (नर्सिंग)	B.Com (plain)	DCA		EDUCATION
P.B. B.Sc. (नर्सिंग)	B.Com. (Compu.)	PGDCA		D.Ed B.Ed

SC/ST/OBC वर्ग के विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति



Radhadevi Ramchandra Mangal

Group of Institutions



100% Placement Bus Facility Available

Courses Offered -

BBA, BCA, B.Com, ITI (Electrician/Fitter), B.Sc. Plain
B.Sc Micro Biology, B.Sc. (CS), B.Sc Seed Technology
B.Sc Agriculture, B.Ed, D.Ed, MBA, MSW

Bhatkheda, Mhow-Neemuch Road, Near Neemuch By Pass
Mob. 9406837863, 9424899978, 9425328392



SHRI S.R. GROUP OF COLLEGES

Admission Open 2025-26

धर्मस तिवारी Director

मिरेन्द्र (रातू) तिवारी

MBA 2 Year B.Pharm 4 Year D.Pharm 2 Year

B.Ed. 2 Year D.Ed./STC 2 Year B.Sc. B.Ed. 4 Year B.A. B.Ed. 4 Year

Singoli Road, Newad, Neemuch (M.P.) City Office : Indira Nagar, PG College Road, Neemuch (M.P.)
8817326635, 8109927774 shrisrcollege colleges90@gmail.com

श्री देव वेल्डिंग वर्क्स

आवश्यकता है

वर्कशाप पर काम करने के लिए

वेल्डर, फिटर और हेल्पर

की तुरंत आवश्यकता है

संपर्क करें:

मदन माली - 9669999779
राजमल गायरी - 9926640630

पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच

पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच



GYANODAYA UNIVERSITY

& GROUP OF INSTITUTES NEEMUCH (M.P.)

27,000+ Alumni | 24 years

Admission Announcement 2026-27

A Leading & Premier University in the Serenity of Neemuch

Vibrant Campus Life with 9000+ Currently Enrolled Students	Highest Package ₹12.75 Lac	730 Placement Offers For Graduates of 2023 as on 5th April 2024	Average Package ₹4.75 Lac	220+ Recruitment Partners
--	----------------------------	---	---------------------------	---------------------------

Courses Offered

Pharmacy D.Pharm B.Pharm M.Pharm	Nursing B.Sc. Nursing GNM Nursing Post Basic Nur.	Management BBA MBA B.Com M.Com	Engineering B.Tech (CSE, Elect. Mech, Civil/Env & Safety) M.Tech (CSE/IT/AM Energy Tech)	Comp. Science BCA MCA B.Sc.(CS) M.Sc.(CS) DCA/PGDCA
Paramedical BPT BMLT DMLT OT/X-Ray	Agriculture B.Sc.(Ag) M.Sc. (Agronomy) (Horticulture)	Education B.Ed. D.Ed. BA B.Ed.* B.Sc. B.Ed*	Polytechnic Electrical Mechanical Civil Comp. Sci.	ITI Electrician Fitter COPA
Science B.Sc. (PCMB2/Biotech/ Microbio/CS)	M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/ Physics/Bio.)	Social Work BSW MSW	Lib. Science B.Lib. M.Lib.	
Art & Humanities BA (Plain) Journalism & mass communication	MA (Hindi/Eng./Psyca/Sociology Political Sci./Eca/Education)	Hotel Mgmt BHMCT Hotel Mgmt		
Hospital Mgmt MBA in Hospital & Health Care Management	Ph.D All Subjects	Diploma Courses YOGA Beauty & Wellness Diet. & Nut.] Fitness Mgmt		

For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.) Call: 9827550959, 7771001344
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु.41,990/- इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

INTRODUCING KNIGHT+

#BuiltToPerform

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866